गोवा विश्वविद्यालय

शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला

हिंदी अध्ययन शाखा

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-626

पाठ्यक्रम का शीर्षक: प्रयोजनमूलक हिंदी

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	प्रयोजनमूलक हिंदी की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध पहलुओं की जानकारी देना। • हिंदी की संवैधानिक स्थिति से अवगत कराना। • राजभाषा प्रबंधन संबंधी जानकारी देना। • कार्यालयी हिंदी, कंप्यूटर के प्रयोग का प्रशिक्षण देना।	
पाठ्य विषय	**1. प्रयोजनमूलक हिंदी** • परिभाषा, स्वरूप और विभिन्न प्रयोग। • खड़ी बोली का विकास और प्रशासनिक भाषा। • हिंदी भाषा के विविध रूप: राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, यांत्रिक भाषा।	**10**
	2. हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति • संविधान में राजभाषा हिंदी संबंधी प्रावधान • राजभाषा अधिनियम 1963, 1976 • राजभाषा कार्यान्वयन की विविध दिशाएँ	**10**
	3. राजभाषा प्रबंधन • राजभाषा कार्मिकों की नियुक्ति एवं प्रशिक्षण • राजभाषा संबंधी वित्त प्रबंधन	**10**

	● राजभाषा संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन	
	4. कार्यालयी हिंदी : स्वरूप, महत्त्व एवं प्रयोग ● आलेखन ● टिप्पण ● अधिसूचना ● आदेश ● परिपत्र ● ज्ञापन	**10**
	5. पत्र-लेखन एवं पारिभाषिक शब्दावली ● सरकारी पत्र ● अर्धसरकारी पत्र ● आवेदन पत्र ● व्यावसायिक पत्र ● पारिभाषिक शब्दावली : आवश्यकता एवं विकास	**10**
	6. कंप्यूटर : हिंदी भाषा तथा अनुवाद ● कंप्यूटर : विकास, क्षेत्र और महत्त्व ● हिंदी टंकण - रेमिंगटन, फ़ोनेटिक और इनस्क्रिप्ट ● हिंदी वेबसाइटें ● संप्रेषण साधन - अनुवाद ● संवैधानिक दस्तावेज़ों का अनुवाद	**10**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, चर्चा, स्वाध्याय, प्रस्तुतीकरण, कंप्यूटर का प्रयोग, कार्यशाला	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) कुलश्रेष्ठ, विजय. प्रयोजनमूलक हिंदी. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली. 2) गोदरे, विनोद. प्रयोजनमूलक हिंदी. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009. 3) गोस्वामी, कृपाशंकर. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी. 4) जगन्नाथन, वी॰ रा॰. हिंदी प्रयोग और प्रयोग.	

	5) झाल्टे, दंगल. प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत एवं प्रयोग. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010. 6) तिवारी, डॉ॰ भोलानाथ, चतुर्वेदी, महेंद्र. पारिभाषिक शब्दावली: कुछ समस्याएँ. 7) पांडेय, कैलाश नाथ. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका. लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2017. 8) पांडेय, पृथ्वीनाथ. सामयिक प्रयोजनमूलक हिंदी. 9) पाठक, अनिरुद्ध. प्रयोजनमूलक हिंदी. अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2017. 10) प्रो॰ विराज. प्रामाणिक आलेखन एवं टिप्पण. 11) बन्ने, डॉ॰ पंडित. प्रयोजनमूलक हिंदी के नए आयाम. अमन प्रकाशन, कानपुर, 2019. 12) बाहरी, हरदेव. हिंदी उद्भव, विकास और रूप. किताब महल, नई दिल्ली, 2021. 13) भाटिया, कैलाशचंद्र. कामकाजी हिंदी. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2021. 14) मंजू. प्रयोजनमूलक कार्यालयी हिंदी. गीता प्रकाशन, हैदराबाद, 2017. 15) मोहन, डॉ॰ आशा, शर्मा, डॉ॰ जगदीश. प्रयोजनमलूक हिंदी. साहित्य सरोवर, आगरा, 2017.		
अधिगम परिणाम	● प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध पहलुओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। ● हिंदी की संवैधानिक स्थिति को जान पाएँगे। ● राजभाषा प्रबंधन संबंधी जानकारी प्राप्त होगी। ● कार्यालयी हिंदी, कंप्यूटर के प्रयोग का प्रशिक्षण प्राप्त होगा।		